

रन्तिकेइत्युक्तःपुंडरीकाक्षःसंपाभेतकुरुवीराणांनिधनंयथायथाबच्छशंसित्यन्वयः ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥